MARKING SCHEME

PHYSICAL EDUCATION

Class X (2023-24)

(**Subject Code-125**)

प्रश्न	अपेक्षित उत्तर/नैतिक मूल्य बिन्दु
प्रश्न	प्रश्न 1 किसी देश की समृद्धि निर्भर करती है? उत्तर – क) स्वस्थ समाज पर प्रश्न 2 हरियाणा दिवस कब मनाया जाता है? उत्तर – ग) 1 नवम्बर प्रश्न 3 द्रोणाचार्य पुरस्कार किसको दिया जाता है? उत्तर – क) कोच को प्रश्न 4 अर्जुन पुरस्कार कब शुरू हुआ? उत्तर – क) 1961 प्रश्न 5 साक्षी मलिक का सम्बन्ध किस खेल से है? उत्तर – क) कुश्ती प्रश्न 6 महिलाओं ने प्रथम बार ओलंपिक खेलों में कब भाग लिया? उत्तर –ख) 1900 प्रश्न 7 संतरा, नींबू, ऑवला में ....विटामिन होता है। उत्तर – विटामिन C प्रश्न 8 खून की कमी को ....कहा जाता है। उत्तर – एनीमिया प्रश्न 9 राष्ट्रीय गीत की रचना ....ने की। उत्तर – बंकिम चन्द्र चटर्जी प्रश्न 10 AIDS का पूरा नाम लिखो। उत्तर – एक्वायर्ड एम्युनो डेफिसीएनसी सिंड्रोम प्रश्न 11 बी.सी.जी. का टीका कौन–सी बीमारी से सम्बन्धित है ? उत्तर – टी.बी.

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न 12 रोगों से लड़ने वाली शक्ति को क्या कहा जाता है?

उत्तर – रोग प्रतिरोधक क्षमता

प्रश्न 13 अभिकथन (A) नॉक आउट टूर्नामैंट में जो टीम मैच हार जाती है, वह टूर्नामैंट से बाहर हो जाती है।

कारण (R) नॉक आउट टूर्नामैंट में समय और पैसा कम लगता है।

उत्तर – ग) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, और अभिकथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या करता है।

प्रश्न 14 अभिकथन (A) भारत में खेलों में महिलाओं की हिस्सेदारी काफी कम है।

कारण (R) महिलाओं की खेलों में हिस्सेदारी कम होने का कारण अनपढ़ता और समाज की संकीर्ण सोच है।

उत्तर – घ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, और अभिकथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 15 अभिकथन (A) खेलों में जीतने वाले खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर मिलने चाहिए।

कारण (R) सरकार द्वारा विभिन्न खेलों में विजेता खिलाड़ियों को नौकरी भी दी जाती है।

उत्तर – ग) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, और अभिकथन (A) कारण (R) की सही व्याख्या करता है।

(Very Short Type Questions)

प्रश्न 16 कुपोषण किसे कहते हैं?

उत्तर – जब किसी व्यक्ति को आवश्यक पौष्टिक तत्व उसके शरीर की आवश्यकता से कम मात्रा में मिले तो व्यक्ति धीरे–धीरे अस्वस्थ हो जाता है। इसे कुपोषण कहा जाता है। कुपोषण प्रायः तब हो जाता है जब व्यक्ति को पर्याप्त व संतुलित भोजन न मिले। कई बार अनुचित भोजन लेने से तथा भोजन सम्बन्धी गलत आदतों जैसे भोजन समय पर न लेना व एक ही प्रकार का खाद्य पदार्थ अधिक मात्रा में लेना आदि से भी कुपोषण हो सकता है। इससे शरीर का शारीरिक विकास रूक जाता है। शरीर को विभिन्न रोग लग जाते है। थकावट

Downloaded from cclchapter.com

होने लगती है व स्वभाव भी चिड़चिड़ा हो जाता है।

प्रश्न 17 प्रोटीन कितने प्रकार के होते है? इनकी प्राप्ति के साधन लिखों।

उत्तर – यह भोजन का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसकी कमी से हमारी वृद्धि और विकास रूक जाता है। प्रोटीन दो प्रकार के होते है।

1. वनस्पति जन्य प्रोटीन
2. पशु–प्रोटीन

प्राप्ति के साधन :–

दूध, मांस, मछली, अण्डा, पनीर, दाल, सोयाबीन, बाजरा, चावल आदि।

प्रश्न 18 विटामिन कितने प्रकार के हैं? जल में व वसा में घुलनशील विटामिनो का वर्णन करो?

उत्तर – विटामिन को प्रायः दो भागों में बाँटा जा सकता है, जो निम्नलिखित है–

1. जल में घुलनशील विटामिन
2. पानी में घुलनशील विटामिन

जल में घुलनशील विटामिन B, व विटामिन C

वसा में घुलनशील विटामिन A, विटामिन D, व विटामिन K

प्रश्न 19 संतोष ट्रॉफी का वर्णन करो।

उत्तर – यह ट्रॉफी कूच बिहार के महाराजा संतोष के नाम पर राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए प्रदान की गई। इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष भारतीय फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा अपने किसी सदस्य के द्वारा करवाया जाता है। इसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों की टीमें, रेलवें व सैनिकों की टीमें भाग लेती है। यह प्रतियोगिता नाक–आउट–कम लीग स्तर पर करवाई जाती है। बंगाल में सबसे अधिक बार इस प्रतियोगिता को जीता है औ पंजाब ने पहली बार 1970 में यह ट्रॉफी जीती।

प्रश्न 20 एशियाई खेलों में कौन–कौन से इनाम दिए जाते हैं ?

उत्तर –एशियाई खेलों में पहले तीन विजेताओं को क्रमशः स्वर्ण पदक, रजत पदक और कांस्य पदक प्रदान किए जाते हैं। इनके अतिरिक्त उन्हें सर्टिफिकेट्स

Downloaded from cclchapter.com

भी प्रदान किए जाते है।

प्रश्न 21 कोरोना महामारी पर नोट लिखें।

उत्तर – केरोना महामारी जिसकी शुरूआत चीन के वूहान शहर से हुई थी। इस बीमारी ने पूरे विश्व में लगभग सभी देशों में अपना कहर भरपाया। इस वाइरस के लक्षण एक मामूली जुकाम से लेकर ज्यादा गम्भीर रोगों की वजह हो सकती है। कोरोना महामारी को Covid-19 के नाम से भी जाना जाता है।

अथवा

प्रश्न – रोग प्रतिरोधक शक्ति क्या होती है?

उत्तर– रोग प्रतिरोधक क्षमता शरीर की वह आंतरिक शक्ति है जो हमारे शरीर में कीटाणुओं के प्रवेश को रोकती तथा रोग से लड़ सकने योग्य बनाती है। प्रत्येक मनुष्य में शक्ति की मात्रा भिन्न–भिन्न होती है। यह शरीर के रक्त और तंतुओं में निहित होती है। यह शुद्ध वायु, सूर्य का प्रकाश, प्राकृतिक वातावरण और उचित मात्रा में पौष्टिक भोजन द्वारा बढ़ाई जा सकती है।

(Short Answer Type Questions)

प्रश्न 22 देशभक्ति से आप क्या समझते हैं।

उत्तर – देशभक्ति से अभिप्राय है–देश की प्रत्येक वस्तु, साहित्य, संस्कृति यहां तक कि उसके कण–कण से प्यार करना व अपनी मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तत्पर रहना।

प्रश्न 23 राष्ट्रीय चिह्न से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर – हमारे देश का राष्ट्रीय चिह्न चार शेरों की आकृति है। परन्तु सामने से देखने पर ये केवल तीन ही दिखाई देते है। ये चारों शेर एक–दूसरे से विपरित दिशा में बैठे हुए है। इसके नीचे दो बैल एवं घोड़े की आकृति चित्रित है। बैल परिश्रम एवं मेहनत और घोड़ा वीरता और उमंग का प्रतीक है। यह चिह्न सारनाथ के अशोक स्तम्भ से लिया गया है। चिह्न के नीचे 'सत्यमेव जयते' लिखा है, जिसका अर्थ है सत्य की जीत होती है।

Downloaded from cclchapter.com

प्रश्न 24 राष्ट्रीय गीत की रचना किसने की। यह किस पुस्तक में लिखा गया है।

उत्तर – राष्ट्रीय गीत की रचना वंकिम चन्द्र चटर्जी ने की। यह आनन्द मठ नामक पुस्तक में लिखा गया है।

प्रश्न 25 एड्स क्या है? यह कैसे फैलता है? इसके बचाव के उपाय लिखें।

उत्तर – एड्स एक प्रकार की गंभीर समस्या है और यह तेजी से फैलने वाला रोग है। इस रोग का पूरा नाम Acquired Immuno-Deficiency Syndrome (AIDS) है। यह H. I. V. नामक विषाणु द्वारा फैलता है। यह विषाणु शरीर में उपस्थित श्वेत रक्त कणिकाओं पर आक्रमण करके उन्हें कमजोर कर देता है, जिससे शरीर में धीरे–धीरे कमजोरी आ जाती है। एड्स के कारण व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है।

एड्स रोग फैलने के कारण

1 यह दूषित सुइयों का प्रयोग करने के कारण फैलता है।
2 बिना जाँच किया गया रक्त ग्रहण करने से।
3 संक्रमित गर्भवती माता से जन्में बच्चे में।
4 यह H. I. V. नामक विषाणु द्वारा फैलता है।

बचने के उपाय

1 एड्स होने के मूल कारणों से बचना चाहिए।
2 एड्स से बचने के लिए संक्रमित सुइयों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
3 दाँतों का उपचार करवाते समय जीवाणुनाशक सामग्री प्रयोग पर अधिक बल देना चाहिए।
4 एड्स से बचने के लिए राष्ट्रीय एड्स सरंक्षण संगठन की स्थापना करनी चाहिए।
5 एड्स के फैलाव की पूरी जानकारी होनी चाहिए।

प्रश्न 26 हैजा रोग के कारण लक्षण और बचाव के उपाय लिखो।

उत्तर – हैजा एक खतरनाक रोग है। यह रोग पानी द्वारा, मक्खियों द्वारा, फल, दूध और सब्जियों द्वारा फैलता है।

लक्षण

1 इस रोग में उल्टी और दस्त आते है।
2 रोगी को पेशाब रूक–रूक कर आता है।

Downloaded from cclchapter.com

3 रोगी बहुत कमजोर हो जाता है और उसके शरीर का तापमान कम हो जाता है।

कारण

1 यह रोग पानी, पके हुए फल आदि का सेवन करने से व्यक्ति को हो जाता है।

2 मक्खियाँ भी इस रोग को फैलाने में सहायक होती है।

3 कई बार कुछ मनुष्य भी एक स्थान से दूसरे स्थान तक यह रोग फैलाते है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति देखने में स्वस्थ होते हैं पर उनमें हैजे के जीवाणु होते हैं जो कि मल–मूत्रादि द्वारा दूसरे लोगों तक पहुँच जाते है।

बचने के उपाय

1 रोग का टीका लगवाना चाहिए।

2 गले–सड़े फलों आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

3 खाने–पीने की वस्तुओं को मक्खियों से बचाकर रखना चाहिए।

प्रश्न 27 संक्रामक रोग किसे कहते हैं? इसके फैलने के माध्यमों के बारे में लिखें।

उत्तर – यह रोग अप्रत्यक्ष रूप में रोगी के कीटाणु, सांस, वायु से भोजन, जल, मलमूत्र द्वारा मनुष्य के शरीर में दाखिल हो जाते है। इसके छोटे कीटाणु, बैक्टीरिया, वायरस शरीर में दाखिल होकर शारीरिक शक्ति को कम कर देते है। अगर हमारे शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति काफी है तो हमारे शरीर को यह रोग नहीं लग सकता। यदि कीटाणु अधिक मात्रा में हो तो यह रोग ज्यादा फैलता है।

संक्रामक रोग सूक्ष्म जीवाणुओं के द्वारा फैलते हैं जिन्हें सामान्यतः कीटाणु कहा जाता है। इनमें बैक्टीरिया, वायरस, प्रोटोजोआ व फंग्स शामिल होते है। ये कीटाणु पानी, वायु, भोजन, शारीरिक सम्पर्क व कीड़ों के द्वारा संचारित होते है।

अथवा

प्रश्न – अस्थियां कितने प्रकार की हैं ? इनके प्रकारों का वर्णन करो।

उत्तर – शक्ल व आकार के अनुसार अस्थियों के निम्नलिखित प्रकार है :–

1 लम्बी अस्थियाँ –लम्बी अस्थियाँ मुख्य तौर पर शरीर के ऊपरी और निचले Limbs में होती है। ये अस्थियाँ हमारे शरीर में उत्तोलक का कार्य करती है। इसके साथ –साथ ये अस्थियाँ चलने में भी हमारी सहायता करती है। इसके बिना हमारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलना लगभग असंभव है।

2 छोटी अस्थियाँ – ये अस्थियाँ लम्बाई में छोटी होती है। इस कारण इन्हें छोटी अस्थियाँ कहते है। Carpus और Tarsus छोटी अस्थियों के उदाहरण है। इस

Downloaded from cclchapter.com

अस्थियों का भार कम होता है, लेकिन ये शक्तिशाली होती है।

3 चपटी अस्थियाँ :– चपटी अस्थियाँ वहाँ होती है, जहाँ सुरक्षा की आवश्यकता होती है। खोपड़ी और पसलियों की अस्थियाँ चपटी होती है। इस अस्थियों की सतक काफी चपटी होती है, जिसके ऊपर मांसपेशियाँ चिपकी हुई होती है। ये अस्थियाँ कोमल अंगों के लिए कवच का कार्य करती है।

4 अव्यवस्थित अस्थियाँ – ये अस्थियाँ एक विशेष शक्ल एवं आकृति की होती है। इसी कारण बाकी अस्थियों से ये मेल नहीं खाती। ये अस्थियाँ हमारी रीढ़ में होती है। रीढ़ में इनकी संख्या 33 होती है।

5 सेसामॉयड अस्थियाँ – ये अस्थियाँ मांसपेशी की Tendons में पायी जाती है। ये अस्थियाँ घुटने, हाथ और पैरों में भी पाई जाती है।

(Long AnswerType Questions)

प्रश्न 28 स्वास्थ्य को परिभाषित करें इसके विभिन्न रूपों का वर्णन करो।

उत्तर – जे. एफ. विलियम के अनुसार, ''स्वास्थ्य जीवन का वह गुण है, जिससे व्यक्ति दीघायु होकर उत्तम सेवाएँ प्रदान करता है।''

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, '' शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दृष्टि से पूर्णतया सुखी होना ही स्वास्थ्य है, केवल रोग या विकृति से मुक्त रहना ही स्वास्वथ नहीं है।''

स्वास्थ्य के विभिन्न रूप – स्वास्थय के कई पहलू है, जो एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए आवश्यक है। एक व्यक्ति को तभी स्वस्थ कह सकते हैं जब वह स्वास्थ्य के इन पहलुओं में से किसी भी पहलू में कम न हो अर्थात् यदि स्वास्थ्य के इन पहलुओं में से एक पहलू भी कम हैं तो व्यक्ति स्वस्थ नहीं है। ये पहलू निम्नलिखित है –

1 शारीरिक स्वास्थ्य – किसी व्यक्ति का शारीरिक स्वास्थ्य कई तत्वों पर निर्भर करता है। जैसे–जैविक, वातावरणीय, सामाजिक–सांस्कृतिक तत्व, जिसमें अच्छा शरीर, कद के अनुसार उचित भार, साफ रंग, चमकदार आँखे, साफ त्वचा और सुंदर बाल शामिल हों। शारीरिक स्वास्थ्य जीवन के लिए जरूरी है।

2 मानसिक स्वास्थ्य – शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य के बिना अधूरा है।

Downloaded from cclchapter.com

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ है– तनाव और दबाव से मुक्ति। यदि व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य ठीक होता है तो उसके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के मध्य सह–सम्बन्ध अच्छा होता है। मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। कई बार मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के संवेगों (भावों) को समझने में असमर्थ होता है। मानसिक रूप से वह व्यक्ति स्वस्थ होता है जो स्वयं को सुरक्षित तथा सुव्यवस्थित महसूस करता है।

3 सामाजिक स्वास्थ्य – सामाजिक स्वास्थ्य व्यक्ति की सामाजिक सुरक्षा पर निर्भर करता है। यदि व्यक्ति सुरक्षित नहीं है तो वह सामाजिक रूप से स्वस्थ नहीं होगा। यह कुछ कारकों पर निर्भर करता है जो इस प्रकार हैं – स्वास्थ्य सेवाएँ, पेंशन, ग्रेच्युटी, जीवन बीमा, प्रोविडेण्ट फण्ड सम्बन्धी सुविधाएँ। सामाजिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति आत्म–निर्भर व जागरूक होता है। जीवन के प्रति उसका धनात्मक दृष्टिकोण होता है।

4 भावात्मक स्वास्थ्य– भावात्मक रूप से स्वस्थ उस व्यक्ति को कहा जाता है जो अपने संवेगों या भावनाओं जैसे डर, क्रोध, सुख, दुख व ईर्ष्या आदि को उचित ढंग से नियंत्रित कर सके। अपनी भावनाओं पर उसका नियंत्रण होना चाहिए। आज के तनाव पूर्ण वातावरण में भावात्मक रूप से स्वस्थ होना अति आवश्यक है।

अथवा

प्रश्न – जल प्रदूषण क्या है इसको नियंत्रित करने के उपाय लिखो।

उत्तर – कुछ अवांछनीय पदार्थों के मिलने के कारण, इसके गुणों में कमी आ जाती है तथा यह उपयोग के लिए सुरक्षित नहीं रहता, इसे जल प्रदूषण कहा जाता है।

जल प्रदूषण के नियंत्रित करने के उपाय निम्नलिखित है :–

1. घरों से निकलने वाले गन्दे पानी को उचित स्थान पर ले जाकर उसका स्वच्छीकरण करना चाहिए।
2. विभिन्न रसायनों जैसे फिटकरी, पोटैशियम परमैंगनेट व क्लोरीन आदि का प्रयोग करके जल को सुरक्षित बनाने का प्रयास करना चाहिए।
3. कीटनाशकों, घासनाशकों व रसायनिक खादों का खेतों में उचित मात्रा में ही प्रयोग करना चाहिए।
4. कूडे–कर्कट का पुनः उपयोग करना चाहिए।

Downloaded from cclchapter.com

5. जल प्रदूषण को रोकने के लिए कानून बनाए जाने चाहिए और सख्ती से उनका पालन किया जाना चाहिए।
6. केवल उन्हीं कल–कारखानों व उद्योग धंधों को चलाने की अनुमति दी जानी चाहिए जो जल को कम से कम प्रदूषित करें।
7. सीवर लाइनों के मल–मूत्रों को बिना साफ किए नदियों में नहीं बहाना चाहिए।
8. नदियों, नहरों, तालाबों व झीलों के तटों पर कपड़े नहीं धोने चाहिए।
9. सरकार को जल प्रदूषण के शुद्धिकरण के लिए ट्रीण्टमेन्ट प्लांट लगाने चाहिए।
10. समुद्रों में परमाणु विस्फोट नहीं करने चाहिए।
11. गन्दे नालों का पानी जलाशयों के जल में नहीं मिलने देना चाहिए।
12. पेय जल के स्त्रोतों को नियमित रूप से साफ करना चाहिए।

प्रश्न 29 महिलाओं के लिए खेलकूद व शारीरिक शिक्षा के महत्व का वर्णन करो।

उत्तर– खेलकूद का महिलाओं के जीवन में बहुत महत्व है। प्राचीन काल में महिलाओं के लिए खेलकूद के महत्व को नकारा जाता था। लेकिन समय के साथ–साथ समाज की सोच में परिवर्तन होता गया। खेलकूद का महिलाओं के लिए महत्व निम्नलिखित है–

1. ये महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक स्तर को बढ़ाने में सक्षम है।
2. खेलों में भाग लेने से महिलाओं में आत्म–विश्वास और आत्म–सम्मान की भावना भी जागृत होती है।
3. खेलकूद में भाग लेने से महिलाओं की वृद्धि और विकास उचित होता है। इससे वे हृष्ट–पुष्ट होती हैं, जिससे वे अपने जीवन के दैनिक कार्यो को अधिक कुशलतापूर्वक कर सकती है।
4. खेलों में भाग लेने से महिलाओं के मानसिक विकास में बढ़ोतरी होती है। दूसरों के साथ समन्वय व समायोजन भी भली–भाँति कर सकती है।
5. खेलकूद में भाग लेने से महिलाओं में सहनशीलता का विकास भी होता है।
6. खेलकूद महिलाओं में अच्छे चरित्र का विकास करने में भी सहायक होते हैं।
7. खेलों में भाग लेने से दबाव, तनाव, अवसाद व चिन्ताओं आदि से छुटकारा मिल जाता है।
8. खेलकूद में भाग लेने से अनेक सामाजिक गुणों जैसे सहयोग, सहानुभूति, वफादारी, दयालुता, एकता, ईमानदारी, आज्ञाकारिता, आपसी लगाव व हार–जीत को स्वीकार करने की अभिवृत्ति आदि का विकास होता है।
9. महिलाओं को प्रायः मोटापे की समस्या होती है। खेलकूद में भाग लेने से मोटापे

Downloaded from cclchapter.com

को नियंत्रित किया जा सकता है।

10. खेलकूद की सहायता से शरीर की आकृति को सुन्दर बनाया जा सकता है।
11. खेल महिलाओं को अनुशासित बनाने में सहायक होती है।
12. खेलों में भाग लेने से सामान्य स्वास्थ्य विकारों जैसे मधुमेह, पाचन सम्बन्धी विकार, आसन सम्बन्धी दोष व ग्रन्थियों से सम्बन्धित विकार आदि में सुधार होता है।
13. खेल महिलाओं की जीवन शैली को सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।
14. खेलकूद महिलाओं में नेतृत्व के गुणों का विकास कर उनकी इच्छा शक्ति को दृढ़ करते हैं।

अथवा

प्रश्न–खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए सरकार को क्या–क्या उपाय करने चाहिए ?

उत्तर – भारतवर्ष में खेलकूद राज्य सूची के अन्तर्गत आते हैं। लेकिन महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि करने के लिए भारत सरकार को निम्नलिखित उपाय करने चाहिए –

1. भारत सरकार को ऐसे कानून बनाने व लागू करने चाहिए ताकि कम से कम सभी शिक्षण संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य कर देनी चाहिए।
2. महिलाओं को सरकार की ओर से खेलों में भाग लेने की आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जानी चाहिए।
3. महिलाओं को पुष्टि व सुयोग्यता के प्रति सजग करना चाहिए।
4. महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं को टी.वी. पर प्रसारित कराना चाहिए।
5. सरकार को महिला खेल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने चाहिए।
6. महिलाओं की खेलों में अच्छी उपलब्धि प्राप्त करने पर सरकारी नौकरी का प्रावधान होना चाहिए।

प्रश्न 30 मेजर ध्यानचंद पुरस्कार पर विस्तृत नोट लिखो?

उत्तर – हमारे देश में यह अवार्ड खेलकूद में दिया जाता है। यह अवार्ड हमारे देश के भूतपूर्व प्रधानमन्त्री श्री राजीव गांधी के नाम पर दिया जाता है जो स्वयं खेलों से बहुत प्यार करते थे। यह अवार्ड उस खिलाड़ी को दिया जाता है जो ओलिम्पिक, एशियन या कामनवैल्थ खेलों में विजय प्राप्त कर सके। इसके लिए निश्चित फार्म भरकर भारत सरकार को भेजना होता है। यह फार्म भरने का अधिकार मैम्बर पार्लियामैंट, नेशनल खेल संगठन, मैम्बर लेजिसलेचर असैम्बली या भारतीय खेल अधिकरण को है। अन्तिम

Downloaded from cclchapter.com

	फैसला उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा किया जाता है। इसमें खिलाड़ी को 25 लाख रूपये और एक शाल दिया जाता है। इस धन पर इन्कम टैक्स नहीं काटा जाता। यदि यह अवार्ड एक खिलाड़ी के अलावा टीम को दिया जाता है तो धन को टीम के खिलाड़ियों में बांट दिया जाता है। यह अवार्ड भी प्रतिवर्ष दिया जाता है। इस अवार्ड का लक्ष्य खिलाड़ियों को उत्साहित करना और उनको समाज में मान्यता देना है। अथवा प्रश्न – द्रोणाचार्य खेल पुरस्कार पर नोट लिखिए। उत्तर – द्रोणाचार्य अवार्ड सन् 1985 में आरम्भ किया गया। इस अवार्ड का प्रचलन ठीक ढंग से वैज्ञानिक कोचों को प्रशिक्षण देने के लिए किया गया ताकि वह अपने प्रशिक्षण द्वारा खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचा सके। यह अवार्ड उनके सुंदर प्रशिक्षण और लग्न के लिए दिया जाता है। इस अवार्ड में महान गुरू द्रोणाचार्य का बुत, एक शाल और पन्द्रह लाख रूपये नकद दिया जाता है। द्रोणाचार्य अवार्ड उस कोच को दिया जाता है जिसके खिलाड़ी निम्नलिखित पोजीशनें प्राप्त करें :– 1. कोई भी तमगा, सोने का, चांदी का या पीतल का ओलिम्पिक खेलों अथवा अंतर्राष्ट्रीय चैम्पियनशीप में हासिल करने वाले खिलाड़ी के कोच को मिलता है। 2. यदि उसका खिलाड़ी कोई दुनिया का रिकार्ड तोड़ता है। 3. सोने का तमगा एशियन खेलों में या कामनवैल्थ खेलों के विजेता।

Downloaded from cclchapter.com